भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 860

27 जुलाई, 2026 को उत्तर दिये जाने के लिए

असम में विरासत शहरों का शहरी विकास

860 श्री जोगेन मोहनः

क्या **आवासन और शहरी कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास असम राज्य में विरासत शहरों और कस्बों के सतत शहरी विकास में सहायता देने का कोई प्रस्ताव है;
(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या शिवसागर और माजुली को ऐसी किसी पहल के तहत शामिल करने पर विचार किया गया है; और
(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) से (घ): जी**,** नहीं। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अधीन शहरों के सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पुनरुद्धार के उद्देश्य विरासत शहर विकास एवं संवर्धन योजना (हृदय**)** को एक केंद्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएस**)** के रूप में 21 जनवरी**,** 2015 को शुरू किया गया था। इस योजना का कार्यान्वयन भारत के 12 शहरों में किया गया**,** जिनमें अजमेर (राजस्थान)**,** अमरावती (आंध्र प्रदेश)**,** अमृतसर (पंजाब)**,** बादामी (कर्नाटक)**,** द्वारका (गुजरात)**,** गया (बिहार)**,** कांचीपुरम एवं वेलांकन्नी (तमिलनाडु)**,** मथुरा एवं वाराणसी (उत्तर प्रदेश)**,** पुरी (ओडिशा) तथा वारंगल (तेलंगाना) शामिल हैं। यह योजना 31 मार्च**,** 2019 को समाप्त हो गई थी और हृदय योजना के समाप्त होने के उपरांत**,** इसके विरासत-संबंधी घटकों को पर्यटन मंत्रालय की 'प्रसाद' (प्रसाद**)** योजना में समाहित कर दिया गया**,** जिसका नाम परिवर्तित कर राष्ट्रीय तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक**,** विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद**)** कर दिया गया। इस तारीख के पश्चात हृदय योजना के अंतर्गत आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा विरासत शहरों के पुनरुद्धार हेतु कोई नई परियोजना प्रारंभ नहीं की गई है।

इसके अतिरिक्त**,** विरासत शहरों सहित पर्यटन स्थलों पर पर्यटन इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास मुख्यतः संबंधित राज्य सरकारों (एसजी**)** और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों (यूटीए**)** द्वारा किया

जाता है। पर्यटन मंत्रालय, अपनी 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद)' योजना के अंतर्गत, असम राज्य सहित देशभर में चिन्हित धार्मिक एवं विरासत स्थलों पर पर्यटन संबंधी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास हेतु राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। प्रसाद योजना के अंतर्गत, पर्यटन मंत्रालय द्वारा 29.80 करोड़ रुपये की लागत से "गुवाहाटी और उसके आसपास कामाख्या मंदिर तथा तीर्थस्थल का विकास" परियोजना स्वीकृत की गई है और यह परियोजना पूर्ण हो चुकी है।

*****